

DPN 6325

Title : मन्त्र सफू MANTRA SAPHŪ

Run. No. 7016 Ritual and
Subject Medicine

Cat. No.

Micro. No.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19.3 x 7.3

Folios 29

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फरणीन्द्ररात वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Bajracharya.

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

अग्रदि सूम्यार्घ्यं ॥ गुरु नमस्कार ॥ न्यासः ॥ ॥ जलपात्र ॥ अर्घ्यपात्र पूजा ॥ भूतशुद्धि ॥
मोक्षा बुध मफुयां तेव ॥ पुड्यां तेव ॥ पेत स्वाक्यां तेव ॥ गहनिमां तेव ॥

नूजाधिया। यावत्तदगमीयश्च न तावत्त्वमिलमा
वन॥ दायश्चाद्यो वस्तिनवाक्च॥ सर्वलक्ष्ये यवश्रुथ
सर्वगकृद्वायायवा। मूर्च्छाम्यादिगंदगमान्नीदृ (गंद
वीस्तिनारुव॥ ॐ तिष्ठिबलाव॥ ॥ बहुप्रभवन्दन
स्तिष्ठितिवीय॥ शिका०॥ मदका०॥ मूर्च्छयण॥ स्व
र्ग॥ दान०॥ दालावड॥ शिका० सङ्घं॥ मूर्च्छयणय
मूर्च्छ॥ ॐ॥ डंड॥ अँअँ॥ उँउँ॥ अँअँ॥ ॥ वाञ्छय

ॐ ॥ हं ॥ दं ॥ सं ॥ लं ॥ मं ॥ नं ॥ वं ॥ यं ॥ ॥ वा ॥ अ ॥ य ॥ न ॥ ॐ ॥ कं ॥ वं ॥
 टं ॥ गं ॥ यं ॥ यं ॥ गं ॥ वं ॥ कं ॥ ॐ ॥ य ॥ गं ॥ लं ॥ गं ॥ नं ॥ वं ॥ वा ॥
 ॥ यं ॥ ने ॥ वं ॥ वा ॥ वं ॥ वं ॥ वा ॥ दि ॥ दं ॥ गं ॥ ला ॥ क ॥ या ॥ ल ॥ ॥ य ॥ व ॥ दि ॥
 ॥ लं ॥ वं ॥ मं ॥ दं ॥ वं ॥ यं ॥ स ॥ दं ॥ ॐ ॥ उं ॥ द ॥ ध ॥ र ॥ ना ॥ म ॥ स ॥ यं ॥
 थं ॥ न ॥ ॥ म ॥ य ॥ दि ॥ म ॥ य ॥ र्थ ॥ ग ॥ व ॥ न ॥ म ॥ स्का ॥ व ॥ न्या ॥ स ॥ ॥ उ ॥
 ल ॥ या ॥ न ॥ ॥ म ॥ र्थ ॥ या ॥ न ॥ य ॥ उ ॥ ॥ म ॥ र्थ ॥ य ॥ उ ॥ ॥ म ॥ र्थ ॥ य ॥ उ ॥ ॥ मा ॥
 ल ॥ नी ॥ य ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ य ॥ व ॥ लि ॥ ॥ डी ॥ य ॥ ॥ म ॥ वा ॥ रु ॥ ना ॥ दि ॥ ॥ द

ॐ ॥ ग ॥ र्ज ॥ नी ॥ या ॥ नि ॥ वि ॥ न ॥ ग ॥ र्ज ॥ म ॥ दा ॥ द ॥ र्ग ॥ थ ॥ ॥ डी ॥ य ॥ ॥ मा ॥ न ॥
 ॥ ॐ ॥ य ॥ र्थ ॥ य ॥ र्ग ॥ थ ॥ दि ॥ ॥ ग ॥ र्थ ॥ ॥ ग ॥ र्थ ॥ मा ॥ ध ॥ ॥ ॥ म ॥ व ॥ र्त्ता ॥
 न ॥ म ॥ वा ॥ रु ॥ न ॥ ॥ न ॥ ॥ ॐ ॥ म ॥ न ॥ र ॥ म ॥ ध ॥ ल ॥ थ ॥ म ॥ दि ॥ द ॥ व ॥ य ॥ य ॥
 ॥ व ॥ लि ॥ ॥ दि ॥ द ॥ व ॥ व ॥ लि ॥ ॥ म ॥ वा ॥ रु ॥ ना ॥ दि ॥ ॥ द ॥ ॐ ॥ ग ॥ र्ज ॥ नी ॥
 ग ॥ र्ज ॥ म ॥ दा ॥ ॥ ग ॥ र्थ ॥ क ॥ ल ॥ म ॥ य ॥ उ ॥ ॥ य ॥ र्थ ॥ ॥ ग ॥ र्थ ॥ ॥ न ॥ ॥ म ॥ वा ॥
 ना ॥ दि ॥ म ॥ र्थ ॥ य ॥ र्थ ॥ म ॥ र्थ ॥ ॥ य ॥ म ॥ म ॥ म ॥ य ॥ ॥ ॥ य ॥ न ॥ ॥ व ॥ न ॥ क ॥
 दि ॥ य ॥ र्थ ॥ ग ॥ र्ज ॥ व ॥ न ॥ र्थ ॥ क ॥ र ॥ ग ॥ र्थ ॥ ल ॥ ॥ व ॥ का ॥ र्थ ॥ ला ॥ व ॥ न ॥

ग्रीष्म विष्णुर्द्धाववामधा। उर्ध्वं गासामहालक्ष्मीं श्वर्गा
गिलावनाश्या। मृत्तुं जयसमालाकाववदारुयर्गखका
द्वयाकल्याणसंभृत्था। मृत्तादं गकि वामकं ॥ नानाश्रु
लसोरांगी। कोवकयुलमक्षिणा ॥ वदुश्चास्मावर्मं धृक्
सस्तिनायवमश्रुर्वा ॥ ध्यान ॥ ॐ हूं सः मृत्तुं जयाय
मृत्तुनिममहाकं ववायमहालक्ष्मीं गकि महिनायश
॥ वलि ॥ ॐ यवधुमूलमनु ॥ ॥ वदवधुदिन ॥

जयादि ॥ वक्रान्यादि ॥ वन। वधु। का। ध। उन्मग।
कयाल। शीवग। मं हाव ॥ ॐ हूं नादि ॥ १० ॥ मृदित्यादि
नवयकथानमः ॥ यतिप्रदायं दगिथिथा ॥ २ ॥ मृत्तुमृ
मादिमृत्तु विवर्जं विस्था ॥ २ ॥ ॐ गारा मादि सक्कमभि
स्था ॥ २ ॥ ॐ कृत्ति कादिनदकृत्था ॥ २ ॥ ॐ विक्कं रादिथा
गस्था ॥ २ ॥ ॐ मखादिदादगवानिथा ॥ २ ॥ वक्र (१२) ॥ व
धु ॥ वदा ॥ ॐ हूं ॥ सदा ॥ ॐ सक्क गगवती र्थाय ॥ २ ॥ मृत्तु

वदद वनीजि ॥ धन वलि ॥ आवाहनाहदि धनमदा ॥ ॥
 नितिकलमयूजा ॥ ॥ नमो कुरुयूजा ॥ यठं गयय ॥
 नैऋत आनादि मृष्टयुष्टिकासन ॥ नैऋतासनायथा
 दृका ॥ सिंहासनाय ३ ॥ ॥ न ॥ लायावसनिहादवी
 यद्यलागसमयरा ॥ सर्ववन्नविविगानि ॥ मृदिकाहृत्
 विग्रहा ॥ मृष्टादगुरुडादवी ॥ नैऋता न विग्रह ॥
 खड्गयागं कर्णं सर्वं कथालं कुत्रिसं धर्मा ॥ नथागं व

गथाद्यष्टानवमं कुवन्वयद ॥ रुद्रकं धनं यागं च खट्वा
गच्छेत्कमलुव ॥ मूलमूकलव ॥ गलावलि वातन
कना ॥ मन्दसं वष्टयित्वा नु नदीरुति विगयि नायम
क्ति याग कासर्वा वामृतामृतकारुवा ॥ ॐ ति ध्यान ॥ गिद
व ॥ बुद्ध्यादि ॥ मृगिती गादि ॥ जयादि ॥ बुद्धवलादि ॥
मृधावास्त ॥ वडा ॥ ॐ हुं ह्रीं श्रीं ॥ मृगानन्द गकिरुववान
नृगैर्कि विना विषयतयष्टी ॥ महाविद्यावाङ्मयनी

श्री कलकंरु रु लालिकाय अलि मूल अयाद कां ॥
 ३ ॥ ॐ कौं श्री कौं रु गवति वलु का खाय नी रु भू भू
 नी २ ॥ मृधा वा ॥ म न व लि ॥ य र् (ग न यृ डा ॥ म्मा वा
 रु ना दियानि म् ॥ डा ॥ वृ य दी य ॥ डा य ॥ ना ग ॥ ला दा
 सि द्ध न व र्ण उ व क स म नि रा य द्वा ना गा य म म्मी व क्क
 ३ रि न र्ग दि न यै व व क न धृ र्ग ख र्ग रु ना दि रु र्ग ॥ का य
 वि न्ध व र्ण म् रु य व न व ना न न रु मा ग सा र्ग सि रु र्ग

वि श्व नृ य रि रु व न न मि र्ग रु रु द वा न मा म् रु त ॥ म् रु
 र्ग वा दि ॥ ३ रि क्क रु द्वा ॥ ॥ ग ना का मा नी रु डा स ॥ व
 ३ म्मा वा न ग क्क य ख्या दि ॥ ३ म यृ वा स ना य ३ ॥ ध्या न ॥ म
 यृ वा स न व का रा म क व क्क रि ला व नी ॥ ग क्क रु वि न्ध
 म्मा वा को मा नी म व ता व नी ॥ ध्या न य र्ग २ ॥ व क्क न्या दि ॥
 व र्ग व दी दि ॥ ३ या दि ॥ म्मा वा ॥ व द्वा ॥ व रि नि ॥ ३ य व रु ॥
 व ३ ॐ कौं श्री कौं कौं कौं कौं कौं श्री म रु का मा नी का वि र्ग ३

॥ नैऋतं कुंजं वं कुंजं नैऋतं कुंजं मलाकोमानीका विर्ध ३ ॥
धनं वलि ॥ म्वाक नारु नादिया निमडा ॥ धृष दीय जा
य ॥ मुनि ॥ रुं जिष्टुर्वाधिका नीरु न वर मनिरा काल ना
गीरु वानी गीय वीरु डि का दान वन क क विर्य मिद्धि
लक्ष्मी यत्राम्वा ॥ वामाना ह्वा यरु वा गिरु वल न नी वडि
वाडि ध्वनी त्वं एका सान क व या य व म ग स ग रं नो मि
द वी कामानी ॥ म्गुर्ग आदि ॥ ॐ ति की रू धृजा ॥ ॥ गता

याग धृजा ॥ य ३ वल ॥ म्वा नास ॥ गिखास वृद्ध ॥ वडा
॥ वलि ॥ म्गुर्ग आदि ॥ ॥ गता य ध्मि मा र्व न ॥ नैऋत य द्वा
य ३ ॥ य गता माय ३ ॥ कर्त्तु का स नाय ३ ॥ नैऋत य द्वा
धिरु लालि काय ३ ॥ नैऋत य द्वा न नृ ग कि रू ३ ॥ व वान
व वि ना वि य ग य म्गुर्ग न वात्मा गु व म लुल ३ ॥ रु लालि
काय ३ ॥ वलि ॥ ॐ धृष्टी गु व य कि ॥ वलि ॥ ॐ धृष्टी उा य वि
कर्मरु ॥ वलि ॥ ॥ मारु नीरु धना ॥ कुंजं कुंजं मर्चड

नमानी ३॥ वलि ॥ आवाग क त्यादि ॥ वस्त्रा न्यादि ॥ अगिनी
गादि ॥ गिखा ॥ अथाव वज्र वगिनि ॥ अथा विंशति ॥ अ
मृदयखलु माहखलु मनु खलु गिखलु रुला ॥ वलि ॥
मूलमूलमूलमूल ॥ वलि ॥ धमना को धना ॥ आवाहन
दिथानिमदा ॥ ॥ गताम्बु लि लिष्टुडा ॥ अ आवाग क
यादि ॥ मिहासाय ॥ महि ॥ गुंरा ॥ निष् ॥ ध्यान ॥ गुंकी
छोडयन ॥ महादेवी ॥ आय रु गवती गुला ॥ ग क

वामिक लारुसा विद्युत्काटिसमयरा ॥ यीनवदसु
लारुगा गिन गावाव हासिनी ॥ किनीटी कलु लाकावी
कयुनामनिनायवा ॥ वल्लमाला विविगुन हावमाला
विकृषिता ॥ अथादशकुडाकाका दिव्यवस्त्रा गरु
षिता ॥ खड्गवाली गथावर्क वज्रा कुल वलाधवा ॥ उ
मर्व मूलयागु व दकि लेन विला डिभा ॥ रुटर्क धन
रुस ॥ गदाधलाससारि न ॥ धागं गऊ नीरुस व

खर्वागकंगयागकं। विवृमदागथासिद्धि आयनरु
 गवनीयवां॥ सिंहासनसमावृता महिषायादतर्हि
 गा। महिषासुवनिर्हंती सर्वदंष्ट्रविनाशिनी॥ गंधा
 धातुगुरुमाव खर्वागठमवृकं विना। वृद्धवल्गुय
 वल्गुव वृद्धायावल्गुनायिका। वल्गुवल्गुवगीव वृद्ध
 पुत्र्यातिवल्गुका॥ नवमीवायवल्गुव मधुसूतिय
 कादिगा। लावनाकाशवल्गुका नीलाशुकावधमि

का। श्रीतावयालुनाहं या अलिरसूत विमुक्तिगा॥ महि
 षाथयमां समी गत्तवयवहमृत्तिका॥ स्याद्यवृत्तिन
 रुक्मा वा डयवल्गुदिनकुमा॥ एवं ध्यात्वा महादेवी
 महारुगवगिनिमासुत॥ ॥ ॐ वृद्ध महाकालाय ॥ ॐ य
 वल्गुमन्त्र॥ ॥ ॐ शुभानन्द गत्तवृत्तिनन्द श्रीमहावि
 श्वनाथस्ववीर्य श्रीडयवल्गुय ॥ ॐ श्री वृद्धवल्गुय
 ॥ ॐ १२ यवा ॥ ॐ १२ वल्गु ॥ ॐ १२ वल्गुना ॥ ॐ १२ वल्गु ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
 येथाद कां ॥ धनं वलि ॥ आ वा रु ना दि था नि मु द्रा ॥ ॥
 का त्या य नी मृ डा ॥ ॐ य द्मा स ॥ ॐ सिं हा स ॥ ॐ म हि था स
 ॥ ध्यान ॥ ॐ का त्या य नी म हा द वी रु म ष्ठा मां ग व यि ती
 । स वी लं का व सा रु व यी ना न्न म य था ध वा ॥ ना ना रु
 व ली सो रुं गी दा ला हा लि न वि य हा दा द ले ष्ट रु डा
 द वी वा म द द व वा वि ती ॥ ख रु वा र्ण म था ग किं गि ष्ट

लं व क द द्दि (७) रु लं ध ना कृ णं या णं कृ था नं वा म
 क क व ॥ सिं हा स न स मा वृ ण म हि था म रु यं गि ती
 । मृ लं क रुं व द्मा ना नि वा र्धे व लु वि द्मा न नी ॥ ध्या य
 मा ना स ना द वी स र्व ण रु द्द यं क नी । उ या द्वा द व ना
 वृ र्णा का त्या य नी न मा मृ तु ॥ ॥ मृ लं ७ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
 म हा द (७) व ली का त्या य नी न म ॥ ३ ॥ य लि वा न यृ डा
 ॥ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

मृदिगा ४ ॥ ॐ लौ मृयमादिगा ४ ॥ ॐ यौ उरुनी ३ ॥
 ॐ नौ मरुनी ३ ॥ ॐ वा माहनी ३ ॥ ॐ यौ मृ
 क ३ ॥ ॐ यौ ३ ॥ ॐ धन ३ ॥ ॐ वलि ॥ ॐ मृध्व ३ ॥
 ॐ यौ ३ ॥ ॐ यद्मासनाय ३ ॥ ॐ मिहा ॥ ॐ मरु ३ ॥
 ॐ न ॥ ॐ मृध्वनी महादवी नमामि विष्टयादनी ॥ दा
 दिमी यष्ट्यसंकाशं दलत्तं विविक्तं ॥ सत्वा
 लं कावसंयुक्ता दलमालावर्ल विनी ॥ मृष्टादनी

गं श्रुती ॥ बुद्ध्या न्यामाह वृद्धं व य ऊ नीयात्मरु श्रुती ॥
 आ यमा नासदाद (स्र) नमा मिमर्वदवगा ॥ ॥ मूलन
 ३ ॥ ॐ ह्रीं रु गवती श्री वल्लिकाया यनी रु म्ब श्रुती न
 मश ॥ ३ ॥ ॥ यत्रिवा वयूजा ॥ ॐ मू बुद्ध्या यनी यादू का ॥
 ॐ क मा ॥ ३ ॥ ॐ वं को मा यी ॥ ॐ टं वं यू यी ॥ ॐ नं वा ना ॥
 ॐ यं ॐ नू ॥ ॐ यं वा म ॥ ॐ मं मा रु ल ॥ ॐ नं वलि ॥
 ॥ ॐ दों दों दू द ॥ श्री दारु मालाय ३ ॥ वलि ॥ ॐ श्री की

कल यग वद क लो था य याद का ॥ वलि ॥ ॐ गं गं गं ग ॥
 (श्री) कल ग (ल) श्रु वा य ३ ॥ वलि ॥ ॐ श्री सिद्धि वा म्ब
 ये ३ ॥ वलि ॥ ॐ श्री सिद्धि या नि ॥ ॐ नी श्या ३ ॥ वलि ॥
 दग ला क या व ॥ ॐ यू जा ॥ ॐ लाली लू ल ॥ लू ॐ नू या
 वद रु का म मू ला वि य न य ग ज वा रु ना ॥ ॐ यं ३ ॥ व
 लि ॥ ६ व १ नू मा (म) या य ग कि रु का य ग जा वि य न
 य कृ गा म ना य ३ ॥ वलि ॥ ६ म १ मू ज मा य द रु रु

साययथाभियगयमहिषवारुनाय३॥वलि॥८ द१
 दुर्नसयायवदुर्मायवाकसाभियगयथनवारु
 नाय३॥वलि॥८ वववववाययागद सायकुलावि
 यगय मकवासनाय ३॥वलि॥८ य१ युवायुवायध
 उरुसायकुलाभियगय मृगवारुना य३॥वलि॥
 ८ स१ सुकववायगजुरुसाय धनाभियगय रुय
 वारुनाय३॥वलि॥८ रु१ दुर्गा नाय गिगूलरुसा

य सर्वविद्याभियगय वृषवारुनाय३॥ॐ ॐ ॐ
 सुदुर्गा दायउकुरुसाय मानालाभियगय३॥वलि
 ॥ॐॐॐ वक्र (कम) लरुसाय स्वर्गाभियग रुस
 वारुनाय३॥ सावारुना दियानिमृदा॥ ॐ निधं छि
 लिष्टुजा॥ ॥ कृतिमष्टुजा॥ ॐ क्रीं दीनमारुगवगिया
 (गम्भीरी) मरुवल्लयवाक्रम (गम्भीरी) मयाथयसमलीद
 वीसाय सात्रारु वदनीष्टी सोराय कवी सर्वार्थदा

यनीदृष्ट सर्वकुदनीरुगवती वनप्रद नमः स्वा
हा ॥ ॥ म (५) म ॥ ॐ क्रीं श्रीं गुरुं कविमार्क नीरुगवति
नमः स्वाहा ॥ ॥ म (५) ॥ ॐ क्रीं श्रीं गुरुं गवति मरुता उगध
नायनरु यक्ष दय कनायनमः स्वाहा ॥ ॥ ग वख
युजा ॥ ॐ क्रीं श्रीं वृद्धवत्स यवत्स व (५) याये वलुना
यिका वलुयाये वलुवति वलुवया मृतिवलि का ॥

॥ वलिमहा ॥ स्वाक महावलि न धूनक ॥ म्मावाह नादि
यानिमदा ॥ ग र्हा ॥ धूय दीय जाय ॥ मुनि ॥ ॥ ॥



जनकाननयादा ॥ ॥ कलयालस्यमलिकास्यविद्याः
यमाल ॥ ॥ धर्कधमधाय ॥ ॥ लिकायश्लगाधधे
नयायकायाकनादमश्लसाकनादसास्ययाययाविधा
न ॥ ॥ शगणयायकायानामयायश्रव ॥ लकृष्टलम
गावकाव ॥ ॥ नामवाय ॥ ॥ स्यायश्लसा ॥ ॥
धवकुंश ॥ ॥ यूजायाय ॥ ॥ शगणवायानाम ॥ ॥

यूजायायधूनकाव ॥ ॥ जयलथ मनुन आलशुत ॥
गादा मगाविद्याव कजादाव ॥ ॥ मनुयलथगुथान्न
मगागर्गन ॥ ॥ धर्ककायाव विहान ॥ ॥ लिकाय
या ॥ ॥ धनायामखुकादा ॥ ॥ दियगधूदगाधे
धंथनगियिव ॥ ॥ मरागंखनुकाद्वकाधान्ननव
यावधवकुंशयायकायानामकास्यधूयक ॥ ॥ देवग

ॐ नमः ॥ ॥ यजामयावस्तुदवधियावगुमनुयलयाव ॥
ॐ वलिकागुमर्लनिर्य सर्व विद्या सर्व मा लं गि सर्व ग मि
सर्व वय नि सर्व विद्या का मा क लं गि वलिका नमः ॥
॥ धालदा ॥ ॥ धनाथ मदेव सक धाय ॥ ॥ य
यार्थ ॥ ॥ वा सवा श्रय या धव का कव वमनु ॥
धमवाधियाव धुया लजाय ध धाय ॥ ॥ १ जांक ४ ज

कि न उ र्क ल द कि न दूर्व य कि म णु ध व म हा द व ग
लीया वि गि ध र्म गि मा ग सि धि गु वू जा हा ॥ ॥ क व
वमनु ॥ ॥ १ ॐ विजय गं कू वें लू श रू दा ला निर्य
दा ला मुख वू द का लि का सि धि गु वू जा हा ॥ ॥ धालः
ध ३ जू द ग जय लय ध म क य क व व ॥ ॥ दा गि नि र्म
रू ग न लं या दा व धा न दा र्थ विल क ध म नु न ॥ ॥

क ग व ॥ ॥ वाससवाठयूलंगव ॥ ॥ कुदगाडाका
यावजयलयमनु ॥ ॥ १७ वि वि २ मूलि २ गयगव
वथकवगवुविगकुङ्कोस्वाहा ॥ ॥ ५५ वध ३ ॥ ॥
नकगकुंनयिहास्यवयग ॥ ॥ यिवदिगंकचल
जयलयवल्हाल ॥ ॥ धमनुन ॥ ॥ १७ दिमलः
विधिर्धंयिलवलयनागनंशुर्गदिगंवलनागनंज

जिनि नागर्न हँ हँ हँ रुट्खाहा ॥ ॥ आलम्ब ३ ॥
 १ थम स्वा मन जय लया व कू य क व व म न्नु ॥ ॥ हँ
 मय या जि गा जा जा का लाय रुट्खाहा ॥ ॥ आलम्ब ३ ॥
 द २ कू नू २ हँ हँ हँ रुट्खाहा ॥ ॥ आलम्ब ३ ॥
 हँ नू आ हँ हँ हँ ल ल न न का ना नू या दि ग से वा ग वा
 हा न हा ल गा न रु ग ल मा स लि द ग व न नू मू का ग न

ॐ मया वनी सना विष्णुं दारुणं कामं कामाक्षीं दवीं
माय विष्णुं ॥ ॥ कालनद्यायलथा दारुणं कामं दवीं
यूजायाय ॥ धूमकुन ॥ ॥ मनथायाय मायसा ॥ ॥
उत्थउत्थं यूजायाय ॥ ॥ दिव्यजयलया
वद्धायासद्वननधून ॥ ॥ यायकानगनागयः
कजिलाजूनो दारुणायासधून वलविमंगव ॥ ॥

या
निष्कृद्गुनगियिवनिश्चय ॥ ॥ १ आदिगवालकु
द्गुं वाकधलि ॥ ॥ आदिगवालकुद्गुं यिमायाय ॥
धयिमायामाले लूचलध्वध्वगारुसं यामहानेले
धरुसमनेलनायाया दारुणं नकदायवा यिवनिश्चय
॥ ॥ १ कर्णवाढमंस १ याधलमंस १ सावूलगव्वा १
हविष्मालनगकि १ नक गियिव ॥ ॥

॥ भावाद्यमरुयांगव ॥ यदुयांगव ॥ ॥ यनस्याकः
यांगव ॥ ॥ गरुनिर्यांगव ॥ ॥ ॐ आगवित्ररु
नमन्तु गन्तु वावाखरवन्त्यालर्गज्वाखेद्यु ० कादवि
गिखेविंगलावाडाज्यावाखेनरिध्विकविवाखेः
कीरिकादेविकविज्वाखेकालिकादेविरिथाः
वाखेवक्तायनिजिरावाखेसन्धगिमरुवाखेमारु

रुत्रवयववक्तायवसजाकासर्वधियादालनवंधि
० वंधिधावंधजकिनिर्वंधर्गकिनिर्वंधज्जदसि
द्धिर्वंधयादानिर्वंधरुनर्वंधधर्गर्वंधरुविलरुन
मंगयदिरुल्लरुयादिल्लावंधमासिद्धिगुञ्जाह्वा
॥ अल ३ ॥ ॥ संगठिद्धियवकनजयय ॥ ॥
लंसयादागलसाज्जदगर्गवधूलर्गवजयवावहलर्न

कवच ॥ न कथामनु ॥ ॥ १ ॥ जि न लिखन
अधिदामिदु गिनखवाहिनि, लानदुष्ट, कालीदुष्ट
कालगु गिनदि निकालि, लं दू, वू, दू, दू, दू ॥ ॥
१ वक, ला वि दे वा वक, वं वाल, लाल साल कं कू वि,
जा वा वे ध व, भवा वय निष्क न कं कू गि दे वं ग, गि ग
कू कू वा म द क धाल, साल २ वक, ला लि छाल कालरु

न साल ॥ ॥ मासन दान ॥ धमनुन ॥ ॥ १ ॥ नू म
ग विलय लि ले विल कलं घा व द्य द्य म कि, क वं क,
टा वा ज ग मा ल गि ग ज टा म कू ला य जा दू वा मू य दि
वं दाल, कू गि स य व न वि श्य कू द्मा ल काला रु वः
व म न वे स य, वा लि वा कू मा स रु व य, व ग मा, स ग म
न, साल का दान व द किला थ, अ उ ध वे धा ना व सि

अविनयाथवे धारुलु मंगयिव न विन्द काकुलः
कवयकुंदकवयकुंदकवय विज्ञानकलयकुं
नकवय कयनकवय अर्द्धउर्द्धरु यिकुनगैरिम
ववगुचुसगतिमविरुगगुरुलमनुष्ठुप्रवावावा॥

॥मखयाकया॥ ॥धमनुनजयलयधालनलः
खमान ॥ ॥१ सिद्धिगुचुआरुवगगुरुगवधि

काधकि माता विधिमाता सिद्धिगुचुआरुवाल कुआः
मी कामलयायिधयलाल सिद्धिगुचुआरु ॥

लस्थायमनु ॥१ अरुगुरुलसाध्याक्षनधयलियवमधूने
४कायमायाकिदकेवयगा मयि ॥१ श्रीगुचुआरु ॥ रुनि
धालनका यानिधालनका वृद्धधालनका वकधालन
काद्वै ॥ ॥१ रुद्रकालयगा यमनु श्रीगुचुआरु ॥ य

गवायमनुध्वानल ३ ॥ १ मिद्विगुव कामव कामाद्या य
 लमगवाययिवाल म यिवाल वाजाककवने २ काजवाः
 दमखयखा ८ वाशु डि कवाया ग मिद्विगुव जाह्ला व कने क
 मुने ॥ लिङ्गय क्क गवायानयाल म यि यि यने वाल ध ३ ॥
 डेनमाजववायनमास्तु दलव ववदवाला वंधव विद्यावाः
 वंधव निनिवालिवाल रुवंधव गधिया मारुका वंधव दधि
 नमारुका वंधव दधुव सुधुव वंधव उरु काना यि पी वंधव यधि

265 181

कवस्यकवकवधाला॥सिन्धूलनगियधमनुनरुयथधा
 ३॥वासिकेपुमिध्वरुयवत्रनिधनिधुववयमवत्रमगवय
 वरिणमागिक्काकवयजानदिदयकागिडाकयानमासिधि
 कालिकायमाद॥काल३॥कुंवाटस्यालमद्यक्रिटस्याला॥धमनु
 णस्यकयथधमनवारुगलवास्याकलायय॥धमनुज्जुला॥मि
 थवयगिषटाउदुंविस्थिदनानायनदायमकासयेतकया
 खनीधावद्धासा॥धमनु॥आदिकवावककुकुगाडमनव

लयवनवालित्रियाववधननायदुधुलियवायदध्याल
 खकायधलखस्यद्रुजवलासगयावववलाजुनामोलानज
 युवावस्यद्रुजयथधलियकपुरुदवयानकधमनधादु
 मखनगुमिगवावकाद्रुनिस्थिद्रुमद्रुगानकेमडिकावस्यद्रु
 उवामात्र॥वासिकेपु॥कुंनमाकामयवावजुमाकयवगनुयः
 मानस्याला॥धमनु॥उयथगाव३गरुननडानकास्यधवका
 याप्रियलनरुलककायधनककवधधाधमरुदुयनक

[illegible]

20

15

10

5

0

मन्त्र संपूर्ण
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

CMS

5

10

15

20

25

प्रगास ॥ यमिसनमाहवयमनु ॥ ॐ द्वा द्वे २ द्वात्रयं वि२
 रिटिस्वाहा ॥ यमयत्तमगलमल्लि ॥ गो० म० गु० धा० गु० द्वा०
 मा० वा० ल० र० द्वा० म० स० धा० व० या० क० का० य० म० न० ॥ ॐ द्वा० न० दा० नि०
 वृ० द्वा० नि० पी० व० द्वा० नि० पी० द्वा० मा० द्वा० य० मो० व० नी० मा० व० य० ल० द्वा०
 गु० वृ० द्वा० जी० व० व० न० द्वा० स्वा० ॥ म० या० गु० ल० क० र० द्वा० का० म० ल०
 द्वा० न० य० य० क० द्वा० म० द्वा० व० द्वा० ल० ॥ द्वा० य० य० क० द्वा० म० ॥ ॐ य० व०
 २ म० य० व० २ द्वा० ज० ४ ज० म० क० ना० म० स० द्वा० ल० मा० नि० ॥ २ द्वा०

उम० नु० ३
 ॐ न० व० न्यो० क० व० र० न्यो० उ० ला० ता० यि० द्वा० नि० म० व० न०
 कि० व० न्यो० ज० टी० ह० न० म० न० क० द्वा० ह० य० गु० म० कि० म०
 कि० म० न० रु० कि० द्वा० ल० म० न० ०० य० मो० दा० ॥